मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–023

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी. जी. एस. के. टी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.-023 : संस्कृत में रसायन, धातु, चिकित्सा एवं वनस्पति विज्ञान का प्रायोगिक स्वरूप

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी एक ही भाषा हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* $3 \times 20 = 60$

1. पारंपरिक प्रयोगशाला के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसमें प्रयुक्त होने वाले उपकरण एवं यंत्र का वर्णन कीजिए।

2. प्राचीन संस्कृत के ग्रंथों में वर्णित 'लवण' एवं उसके भेदों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. संस्कृत वाङ्मय में वर्णित शुद्ध धातु का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. वनस्पति विज्ञान से आप क्या समझते हैं ? बीजप्ररोही एवं काण्डप्ररोही का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

5. आयुर्वेदशास्त्र के अनुसार धातु के स्वरूप एवं उनके भेदों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

6. प्राचीन भारतीय चिकित्साशास्त्र के आधार पर रक्त निर्माण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4\times10=40$

7. पौध प्रवर्धन के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

8. आधुनिक वैज्ञानिकों के अनुसार फलों के आधार पर वनस्पति भेद का वर्णन कीजिए।

9. मानव शरीर निर्माण में कोशिका एवं ऊतक का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

10. आयुर्वेदिक उपचार एवं घरेलू चिकित्सा में उपयोगी कुछ महत्वपूर्ण पौधों के बारे में वर्णन कीजिए।

11. सुश्रुत संहिता के आधार पर शल्यचिकित्सा के लिए आवश्यक यंत्रों का वर्णन कीजिए।

12. पञ्चकर्म चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

13. सुवर्ण-शोधन की विधि का वर्णन कीजिए।

× × × × ×